RNI No. DDHIN/2021/81605 संघ प्रदेश दमण से प्रकाशित एवं दानह तथा वापी-वलसाड़ में वितरीत होने वाला एकमात्र हिंदी साप्ताहिक DARE TO SHARE

सुविचार

एक दिन अपने आप पर गर्व करना है तो आज हारी हुई बाजी जीतनी ही होगी।

डेयर टू शेयर

www.daremedia.in

सूचना

दमण से प्रकाशित हिंदी साप्ताहिक समाचारपत्र 'डेयर टू शेयर' में प्रेस नोट एवं अपने आस-पास की घटनाओं को प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें- 9898109815/8000360011

मालिक / प्रकाशक : संध्या चौहान || संपादक : मनोज रावल || उप–संपादक : तुषार चौहान || कार्यकारी संपादक : समीर गोहिल || वर्ष 5 || अंक : 02 || दमण गुरुवार, 07 अगस्त 2025 || पृष्ठ 4 || मूल्य 4 रूपये || Email : dare.media24x7@gmail.com

पत्रकार नहीं खंडनीखोर! "मीडिया माफिया" – वापी में मीडिया की आड़ में 60,000 की वसूली, FIR दर्ज"

धमकी, झूठी शिकायत और ब्लैकमेलिंग – अब पुलिस जांच के घेरे में यूट्यूबर इंस्ट्राग्राम पत्रकार गैंग

जीपीसीबी को झूठे वीडियो से गुमराह कर रहे कथित पत्रकार, केमिकल कंपनी से वसूले 15,000" जेल भेजने और कंपनी बंद कराने की धमकी देकर पैसे ऐंठे, कई और कंपनियां बनीं निशाना?

वापी में सक्रिय 'मीडिया माफिया' बेनकाब! – FIR में गंभीर आरोप, सभी आरोपी वांटेड घोषित" पुलिस करेगी परेड और रिकंस्ट्रक्शन ? रिमांड में खुल सकते हैं दो और पत्रकारों के नाम

60,000 की खंडनी वसूली और झूठी शिकायत का बड़ा खुलासा – कथित यूट्यूबर-पत्रकार गैंग के खिलाफ केस दर्ज, कई कंपनियों से अवैध वसूली की आशंका

डेयर टू शेयर - वापी

वापी GIDC की एक प्रतिष्ठित केमिकल यूनिट से 60,000 की खंडनी मांगने वाले चार कथित यूट्यूबर-पत्रकारों के विरुद्ध पुलिस में गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। आरोप है कि इन कथित पत्रकारों ने कंपनी के बाहर भरे वर्षा के गंदे पानी का वीडियो बनाकर जीपीसीबी में झूठी शिकायत की और जेल भेजने, कंपनी बंद कराने की धमकी देकर व्यवसायी से 15,000 की अवैध वसूली की। एफआईआर में जिन नामों का उल्लेख है, वे हैं: 1. मेरुभाई हमीरभाई गढ़वी – मो. 9727535301 2. जितेन्द्र किशोरभाई वाडवेकर – मो. 9316164094 3. अवनीशभाई – पूरा नाम अज्ञात 4. आलमभाई – पूरा नाम अज्ञात 5. दो अन्य अज्ञात आरोपी शिकायतकर्ता राजकुमार कार्तिकेय भैरैया (49), जो वापी GIDC में POLYSPERSE CHEMICAL नामक डाई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट चलाते हैं, ने पुलिस में दर्ज बयान में कहा कि 21 जून 2025 को चारों आरोपियों ने उनकी कंपनी के सामने बारिश के पानी का वीडियो बनाकर झूठे आरोप लगाए कि यह केमिकलयुक्त प्रदूषित पानी है। अगले ही दिन उन्होंने कंपनी में घुसकर धमकी दी कि यदि 60,000 नहीं दिए तो वे वीडियो मीडिया में वायरल कर देंगे और जीपीसीबी में शिकायत कर कंपनी बंद करवा देंगे। जब व्यवसायी ने पैसे देने से इनकार किया, तो आरोपियों ने 15,000 जबरन वसूले – जिसमें 7,500- 7,500 की ट्रांजेक्शन मेरुभाई और जितेन्द्रभाई के UPI खातों में भेजे गए। अपराध की शैली चिंताजनक, कई और केस खुलने की आशंका सूत्रों के अनुसार, इन कथित पत्रकारों का यह कोई पहला मामला नहीं है। पुलिस को शक है कि इन्होंने बारिश के मौसम का फायदा उठाकर वापी की अन्य कई कंपनियों से भी इसी प्रकार 'तोड़ पानी' (ब्लैकमेलिंग) की है। आने वाले दिनों में कई और FIR दर्ज होने की संभावना है। पुलिस ने मामला BNS 308(6), 308(7), 54 के तहत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सभी आरोपी फिलहाल वांटेड घोषित किए गए हैं। पुलिस सूत्रों का कहना है कि: जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी कर उनकी परेड करवाई जाएगी। घटनास्थल पर रिकंस्ट्रक्शन (पुनरावृत्ति) कराया जाएगा। पुलिस रिमांड लेकर दो अन्य कथित पत्रकारों के नाम भी उजागर किए जा सकते हैं। यह मामला वापी इंडस्ट्रियल ज़ोन में पत्रकारिता की आड़ में चल रहे कथित ब्लैकमेलिंग सिंडिकेट को उजागर करता है। यदि जांच में पुष्टि होती है, तो यह सिर्फ एक कंपनी का मामला नहीं, बल्कि व्यवस्थित 'मीडिया माफिया' की साजिश हो सकती है। "पत्रकार या अपराधी?" – समाज में गूंजता सवाल वापी-वलसाड क्षेत्र में इस घटना को लेकर व्यापारिक संगठनों और औद्योगिक संस्थानों में रोष है। जीपीसीबी और पुलिस को मिले वीडियो और UPI ट्रांजेक्शनों से जांच को और बल मिल रहा है। पुलिस अधिकारी यह भी मान रहे हैं कि यह मामला गंभीर है और "पत्रकारिता की आड़ में चल रहे एक संगठित अपराध" का संकेत देता है। वापी पुलिस ने FIR दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। मामले में कोई गिरफ्तारी अभी नहीं हुई है, लेकिन जल्द कार्रवाई के संकेत हैं। उद्योगपतियों से अपील की गई है कि यदि किसी ने भी इन कथित पत्रकारों द्वारा ब्लैकमेलिंग का सामना किया है तो वह आगे आकर शिकायत दर्ज कराएं। Note: यह रिपोर्ट प्राथमिक शिकायत पर आधारित है। पुलिस जांच के बाद स्थिति स्पष्ट होगी। किसी भी आरोपी को कानूनन दोषी तभी माना जाएगा जब अदालत उसे दोषी ठहराए।

बीएनएस (BNS) की धारा 308(6) क्या है?

बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) की धारा 308(6) मुख्य रूप से "जबरन वसूली" (Extortion) से संबंधित है। इसमें वह स्थिति शामिल होती है, जब कोई व्यक्ति जबरन वसूली के इरादे से किसी अन्य व्यक्ति को या उसके संबंधी को गंभीर अपराध (जैसे कि मृत्यु दण्ड, आजीवन कारावास या 10 साल तक की कैद वाले अपराध) में फंसाने या आरोप लगाने की धमकी देता है।

धारा 308(6) की सजा

सजा:10 वर्ष तक की सख्त/साधारण कारावास और जुर्माना।
प्रक्रिया: यह अपराध गैर-जमानती (Non-bailable) है और पुलिस द्वारा सीधे गिरफ्तार किया जा सकता है (Cognizable)। इसका ट्रायल फर्स्ट क्लास मजिस्ट्रेट द्वारा होता है

बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) की धारा 308(7)

यह धारा तब लागू होती है जब कोई व्यक्ति इस आधार पर जबरन वसूली करता है कि वह किसी अन्य व्यक्ति पर अत्यंत गंभीर अपराध (जैसे मृत्यु, आजीवन कारावास या 10 वर्ष तक की सजा से दंडनीय अपराध) करने या करवाने का झूठा आरोप लगाने की धमकी देता है, या किसी को ऐसा अपराध करने के लिये उकसाता है

सजा का प्रावधान:

बीएनएस धारा 308(7) के अंतर्गत अपराध सिद्ध होने पर दोषी व्यक्ति को:
-10 वर्ष तक की कारावास (सजायोग्य)
- जुर्माना या दोनों दंड दिए जा सकते हैं
ध्यान दें
- यह अपराध संज्ञेय (गंभीर) और गैर-जमानती माना जाता है।
- पुलिस बिना वारंट के गिरफ्तारी कर सकती है।

सार्वजनिक सूचना Public Notice

डेयर टू शेयर (अखबार) / PUBLIC VOICE (यूट्यूब चैनल) के नाम पर कोई भी व्यक्ति या अपने आपको रिपोर्टर कह कर आप से किसी भी प्रकार की धनराशि की माँग करता है या आप को न्यूज के नाम पर ब्लैकमेल करता है, तो कृपया:
1. तुरंत अपने स्थानीय पुलिस को सूचित करें।
2. हमें वॉट्सएप या कॉल 9898109815, 8000360011 पर प्रमाण (स्क्रीनशॉट/रिकॉर्डिंग) के साथ सूचित करें।
हम ऐसी धोखाधड़ी एवं अनैतिक गतिविधियों की कड़ी निंदा करते हैं
हम ऐसे अनैतिक और अवैध कार्यों को किसी भी प्रकार से समर्थन नहीं देते हैं। और प्रभावितों के साथ कानूनी कार्रवाई में पूर्ण सहयोग देंगे।
सतर्क रहें | जागरूक रहें | धन्यवाद।

प्रबंधन टीम
डेयर टू शेयर (अखबार)
PUBLIC VOICE (YouTube चैनल)
संपर्क:
मोबाइल नो. 9898109815, 8000360011
ईमेल : dare.media24x7@gmail.com

नोट: यह सूचना सभी पाठकों, व्यवसायों एवं सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के लिए प्रकाशित की गई है। कृपया इसे साझा करके धोखाधड़ी रोकने में सहयोग करें।

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली एवं दमण दीव प्रशासन

2 अगस्त से 2 अक्टूबर 2025 के बीच बड़ा इवेंट

डेयर टू शेयर - दमण

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली एवं दमण दीव प्रशासन 2 अगस्त से 2 अक्टूबर 2025 के बीच बड़ा इवेंट कर रहा है, जिसमें 2 अगस्त से 15 अगस्त के बीच हर घर तिरंगा यात्रा, फिर प्रशासक प्रफुल्ल पटेल के नेतृत्व में 9 साल की विकास गाथा पर आधारित कार्यक्रम, एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर से 2 अक्टूबर के बीच सेवा पखवाड़ा मनाने जा रहा है, जिसमें हर एक नागरिक को पूरे उत्साह एवं जोश के साथ भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया है, यह बात तो तय है कि, दो महीना संघ प्रदेश में अनेकता में एकता का प्रतीक, संस्कृत, परंपरा एवं कला का प्रदर्शन होगा, सबसे

बड़ी बात 13 अगस्त को शाम 5 बजे से सिलवासा रिवर फंड पर प्रशासन के सहयोग में इंडियन नेवी के जवान ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर हैरत एंगेज करनामें प्रस्तुत करने जा रहे हैं, जिसमें आम जनता को प्रशासन की तरफ से आमंत्रित किया गया है, इसे लेकर आज सिलवासा के कला केंद्र सभागार में एक महत्वपूर्ण जन संवाद कार्यक्रम हुआ, जिसमें प्रशासक प्रफुल्ल पटेल की सलाहकार, अमित सिंगला, कलेक्टर प्रियंक किशोर सहित प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, जनप्रतिनिधि, उद्योगपति, स्वयंसेवी संस्था एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, जहां सभी ने इस इवेंट को शानदार बनाने के लिए अपना-अपना तर्क भी प्रस्तुत किया, इस संदर्भ में जिला पंचायत के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अरुण गुप्ता ने विस्तृत जानकारी दी।

संपादकीय

बारिश कब रुकेगी?

उत्तर और पूर्वी भारत में तूफ़ानी बारिश अभी भी जारी है। जो बादल पहले दो-चार साल में एक बार फटते थे, वे अब बार-बार फट रहे हैं। पुणे वेधशाला द्वारा बारिश बंद होने की भविष्यवाणियाँ बार-बार गलत साबित हो रही हैं। सरकार अभी भी बारिश को ख़तरे के रूप में नहीं देख रही है। केंद्र सरकार बारिश की इस विपत्ति पर कोई ध्यान नहीं दे रही है और राज्य अकेले इससे निपटने में सक्षम नहीं हैं। इन दिनों मौसम की अनिश्चितताओं से सिर्फ़ भारतवासी ही नहीं जूझ रहे हैं। दुनिया के सभी देश मानसून चक्र की अनियमितता से परेशान हैं। भारत में जिसे हम पश्चिमी विक्षोभ कहते हैं, उसकी जड़ें ध्रुवीय क्षेत्रों तक फैली हुई हैं। मनुष्य मूलतः शांतिप्रिय होते हैं। किसी भी प्रकार की अशांति उन्हें अप्रिय लगती है यदि वह उनके जीवन प्रवाह को बाधित करती है। गौर से देखें तो शांति स्थापित करने की होड़ में अशांति पैदा हुई है। प्राचीन काल में राजा लोग दोपहर का समय वनों और उपवनों में स्थित लतामंडप के नीचे बिताते थे। रात में चाँद देखने के लिए हर दिशा में बालकनियाँ होती थीं। जैसा राजा और प्रजा का हाल था। यहाँ तक कि आम नागरिक भी धूप भरी शाम या पूर्णिमा की रात झील में नाव की सैर के लिए जाते हैं। मनुष्य ने भी वास्तव में शांति की खोज में ही धर्म या अध्यात्म की शरण ली है। यह सर्वविदित तथ्य है कि धर्म के कारण ही अत्याचार होते हैं। अफ़ग़ानिस्तान इसका ताज़ा उदाहरण है। धर्म से जुड़ा व्यक्ति कब धार्मिक कट्टरता में पड़ जाता है, उसे खुद भी पता नहीं चलता। आने वाले दशकों में मानव जाति को स्वच्छ हवा और शुद्ध पर्यावरण की तलाश करनी होगी। एक भटकते हुए जंगली की तरह, लाखों लोग शहरों को छोड़ते नज़र आएंगे। हम मानते हैं कि पृथ्वी पर मौसम का प्रबंधन हमारे ऊपर आकाश और उसमें बहने वाली हवा से होता है, लेकिन वास्तव में ऐसा नहीं है। हमारे मौसम का प्रबंधन बहुत दूर से होता है। इसी वजह से, जब मौसम बदलता है, तो हमें पता ही नहीं चलता कि यह परिवर्तन अचानक क्यों हुआ? पृथ्वी के उत्तरी और दक्षिणी ध्रुवों पर कई प्रकार की मौसमी स्थितियाँ बनती हैं। उत्तरी और दक्षिणी दोनों ध्रुवों के ऊपर लगभग एक हज़ार किलोमीटर के क्षेत्र में एक निम्न दाब प्रणाली बनती है। दूसरे शब्दों में, यह एक प्रकार का वायुमंडल है। हर मानसून में, जब बंगाल की खाड़ी में निम्न दाब प्रणाली बनती है, तो वह तूफ़ान का रूप नहीं लेती, बल्कि जब यह पूरी 'बंद' निम्न दाब प्रणाली एक सिरे पर टूट जाती है, तो उसमें खाली जगह को भरने के लिए चारों ओर से बादलों का उमड़ना तूफ़ान बन जाता है। ध्रुवीय क्षेत्रों में रह रहे वैज्ञानिकों द्वारा किए गए नए शोध से कई नए तूफ़ानों के आने का संकेत मिलता है। ये वैज्ञानिक ध्रुवीय क्षेत्रों के तपस्वी हैं जो पृथ्वी पर आने वाली आपदाओं की वैज्ञानिक भविष्यवाणी करते हैं। दक्षिणी ध्रुव और उत्तरी ध्रुव के आसपास हज़ार किलोमीटर लंबा निम्न दाब क्षेत्र एक चक्रवात है, जिसे ध्रुवीय भंवर कहते हैं। ध्रुवीय भंवर की अनियंत्रित और निरंतर चक्रवाती गति के कारण, बर्फीली हवाओं ने वायुमंडल पर कब्ज़ा कर लिया है। जिस तरह इस सर्दी ने ऐसा बना दिया है जैसे पूरा उत्तर भारत हिमालय की तलहटी में है, उसी तरह पूरे उत्तरी गोलार्ध के देशों को ऐसा लग रहा है जैसे वे उत्तरी ध्रुव की तलहटी में हैं। अमेरिका लगातार नई मौसमी आपदाओं के एक लंबे दौर का सामना कर रहा है। दुनिया इसमें बेबस है। हमारे देश में केवल वे किसान जो आत्म-जागरूकता के साथ खेती करते हैं, कृषि में सोना, हीरे और मोती उगा सकते हैं। अगर उन्हें सचमुच आधुनिक तकनीक और देश के दिल्ली तख्त से आने वाली खबरों जैसी भविष्यवाणियों का लाभ मिले, तो उनकी खेती अद्भुत होगी। इस वर्ष, प्रकृति ने मनुष्य को, जो पृथ्वी का स्वयंभू स्वामी बन गया है, बहुत समय बाद गौरव प्रदान किया है। यह एक दीर्घकालिक प्रक्रिया है, लेकिन इसके छिपे हुए अनुभव शायद ही कभी मानव जाति का ध्यान एकजुट और आकर्षित कर पाए हों। क्या कोई भी व्यक्ति पर्यावरण की चिंताओं को अपना विषय मानता है? लेकिन अब मौसम की गति ऐसी है कि मानव जाति को स्वयं पर्यावरण पर अधिक ध्यान देना होगा।

संपादक: मनोज रावल

वापी महानगरपालिका ने GIPL मोबाइल ऐप किया लॉन्च – नागरिक सेवाएं अब मोबाइल पर उपलब्ध

घर बैठे शिकायत और कर भुगतान की सुविधा – डिजिटल वापी की दिशा में बड़ा कदम

अब मोबाइल ऐप से ही हल होंगी गटर, सड़क और पानी की समस्याएं – पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन की ओर पहल

डेयर टू शेयर - वापी

वापी महानगरपालिका ने डिजिटल भारत अभियान को आगे बढ़ाते हुए GIPL नामक मोबाइल एप्लिकेशन लॉन्च किया है, जिससे वापी के नागरिकों को अब नगरसेवाओं का लाभ घर बैठे ही मिल सकेगा।* इस ऐप के ज़रिए नागरिक अपने स्मार्टफोन से ही विभिन्न शिकायतें जैसे सड़कों की खराब स्थिति, गटर की समस्या, कचरा प्रबंधन की लापरवाही जैसी समस्याएं ऑनलाइन दर्ज करवा सकते हैं। अब उन्हें नगर निगम कार्यालय के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इसके अलावा, ऐप में *ऑनलाइन कर भुगतान* की सुविधा भी शामिल है, जिससे लोग *संपत्ति कर, **पानी बिल, और अन्य कर भी आसानी से चुका सकेंगे। साथ ही, **पानी कनेक्शन के लिए आवेदन, **जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र हेतु आवेदन* जैसी सेवाएं भी एप में डिजिटल रूप से उपलब्ध कराई गई हैं। *नगरपालिका का उद्देश्य* इस एप्लिकेशन के माध्यम से प्रशासनिक पारदर्शिता को बढ़ाना, जवाबदेही तय करना और नागरिकों को त्वरित सेवा देना है। यह ऐप *Google Play Store* और *Apple App Store* पर मुफ्त में उपलब्ध है। वापी जैसे औद्योगिक और शहरी क्षेत्र में यह पहल अत्यंत सराहनीय मानी जा सकती है। इससे न केवल आम जनता का समय बचेगा, बल्कि प्रशासन और नागरिकों के बीच की दूरी भी कम होगी। यह ऐप तकनीकी नवाचार और सुशासन का उत्तम उदाहरण है। *डिजिटल सेवाओं का विस्तार करना और प्रक्रियाओं को पारदर्शी बनाना, प्रशासनिक सुधार की दिशा में एक ठोस कदम है, जो वापी को स्मार्ट सिटी के पथ पर ले जा सकता है।

VAPI MUNICIPAL CORPORATION
सेवा सहकार समृद्धि
VAPI
Municipal Corporation

फर्जी दस्तावेज के जरिए सरोधी में करोड़ों की जमीन बेचने की साजिश

डेयर टू शेयर - वलसाड

वलसाड और गणदेवी अंबहेटा गाँवों के दो लोगों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है, जिन्होंने वलसाड के एक सज्जन की कृषि भूमि को फर्जी दस्तावेज बनाकर बेचने की कोशिश की। वलसाड के आज़ाद चौक स्थित मोहन ऑप्टिशियन के शोरूम के मालिक प्रतीक यज्ञेशभाई देसाई, सरोधी गाँव में एक बेशकीमती ज़मीन के मालिक हैं। 18 जुलाई 2025 को शाम 5 बजे प्रतीक देसाई अपने चश्मे के शोरूम गए। उस समय, कर्मचारी आदिल शेख ने मालिक प्रतीकभाई को दोपहर 12.30 बजे कूरियर द्वारा दिया गया एक लिफाफा दिया, जिसे खोलने पर पता चला कि कुछ आरोपी सरोधी में सर्वे संख्या 352 और पुराने सर्वे संख्या 107 में स्थित उनकी 2530 वर्ग मीटर ज़मीन को फर्जी दस्तावेज बनाकर बेचने की कोशिश कर रहे थे। वलसाड के आरएम ड्रीम्स रीना पार्क के पीछे रहने वाले आरोपी नीलेश रमेशभाई प्रजापति और गणदेवी तालुका के अंबहेटा दीवान फलिया में रहने वाले जुबैर इकबाल मेमन ने शिकायतकर्ता प्रतीक देसाई के नाम से फर्जी आधार कार्ड और पैन कार्ड बनवाया, आरोपी नीलेश रमेशभाई प्रजापति ने झूठे हस्ताक्षर और अंगूठे के निशान के साथ एक फर्जी दस्तावेज बनाया, इसे नोटरीकृत करवाया।

वलसाड के एक अस्पताल में दुर्लभ मुंह और गले के कैंसर ट्यूमर की सफल सर्जरी

डेयर टू शेयर - वलसाड

वलसाड के जेनिथ डॉक्टर हाउस में मुंह और गले के कैंसर के एक दुर्लभ ट्यूमर को सर्जरी द्वारा सफलतापूर्वक निकाला गया। यह सफल ऑपरेशन डॉ. ध्रुमिल सरकार और उनकी बहु-विषयक टीम द्वारा किया गया। एक गंभीर और अत्यंत दुर्लभ मुंह और गले के कैंसर का ट्यूमर, जो 10 लाख लोगों में से केवल 1 को ही होता है, एक 31 वर्षीय पुरुष रोगी से सर्जरी के माध्यम से सफलतापूर्वक निकाला गया। यह जटिल सर्जरी हमारे क्षेत्र में कैंसर उपचार के इतिहास में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। रोगी पिछले कुछ महीनों से अस्पष्ट लक्षणों से पीड़ित था। विभिन्न उन्नत चिकित्सा परीक्षणों से गुजरने के बाद, एक दुर्लभ मुंह के कैंसर का निदान किया गया, जिसके दुनिया भर में बहुत कम मामले सामने आए हैं। ट्यूमर के असामान्य स्थान और उसकी आक्रामक प्रकृति ने इसे और अधिक खतरनाक बना दिया, जिससे सर्जरी आवश्यक और बेहद जटिल हो गई। डॉ. ध्रुमिल सरकार, जो कैंसर सर्जरी और न्यूनतम इनवेसिव सर्जरी के विशेषज्ञ हैं, ने ऑपरेशन का नेतृत्व किया। उन्होंने और उनकी टीम ने एक विश्लेषणात्मक योजना बनाई और आसपास के नाजुक अंगों और नसों को नुकसान पहुँचाए बिना ट्यूमर को पूरी तरह से हटा दिया। सर्जरी पूरी तरह सफल रही। यह एक चुनौतीपूर्ण मामला था। इसमें हर कदम सटीक होना था और विभिन्न विभागों के बीच पूर्ण समन्वय की आवश्यकता थी। यह सफलता हमारी पूरी टीम के समर्पण और क्षमता का प्रमाण है," डॉ. सरकार ने कहा। रोगी की हालत फिलहाल स्थिर है और डॉक्टरों की देखरेख में ठीक हो रहा है। दीर्घकालिक उपचार योजना के तहत आगे भी उसका फॉलो-अप किया जाएगा। राज्य भर के चिकित्सा समुदाय द्वारा इस सफलता की सराहना की जा रही है और जेनिथ डॉक्टर हाउस के अध्यक्ष डॉ. कुरैशी ने इस मामले को आगामी चिकित्सा मंच में प्रस्तुत करने का सुझाव दिया, जिसे डॉ. ध्रुमिल सरकार ने बड़े उत्साह से स्वीकार किया और इस मामले को एक अंतरराष्ट्रीय जर्नल में भेजने की तैयारी भी कर रहे हैं।

धरमपुर राजचंद्र में 3 दिवसीय गुजरात पुलिस थिंक टैंक शिविर

डेयर टू शेयर - वलसाड

गुजरात पुलिस का तीन दिवसीय चिंतन शिविर 11, 12 और 13 अगस्त को धरमपुर स्थित श्रीमद् राजचंद्र आश्रम में आयोजित किया गया है। इस शिविर में राज्य के सभी पुलिस अधीक्षक और उससे उच्च पदस्थ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहेंगे। राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गृह मंत्री हर्ष संघवी इस चिंतन शिविर में विशिष्ट अतिथि होंगे। दक्षिण गुजरात रेंज के पुलिस महानिरीक्षक प्रेमवीर सिंह ने इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के आयोजन हेतु वलसाड का दौरा किया। पुलिस महानिरीक्षक प्रेमवीर सिंह ने वलसाड जिला पुलिस प्रमुख से चिंतन शिविर के आयोजन की तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने शिविर के सफल आयोजन हेतु आवश्यक सुझाव भी दिए। इस तीन दिवसीय आईपीएस मीट की अग्रिम योजना को लेकर रेंज पुलिस महानिरीक्षक की अध्यक्षता में वलसाड पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में पांच जिलों के पुलिस अधीक्षक और पुलिस उपाधीक्षक भी उपस्थित थे।

वलसाड-धरमपुर बस ढाई घंटे देरी से पहुंचने पर यात्रियों ने नियंत्रण कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया

डेयर टू शेयर - वलसाड

वलसाड बस स्टेशन से धरमपुर जाने वाली शाम की बस अनियमित होने से यात्रियों में भारी आक्रोश है। सोमवार शाम को धरमपुर जाने वाली बस ढाई घंटे से भी ज़्यादा देरी से पहुँची। इससे रोज़ाना काम से लौट रहे यात्रियों को काफ़ी परेशानी का सामना करना पड़ा। पिछले कई दिनों से धरमपुर बस बार-बार लेट आ रही है या बस डिपो पर समय पर नहीं लग रही है। सोमवार को स्थिति और बिगड़ गई। तीन बसों के यात्रियों के लिए सिर्फ़ एक बस ही लगाई गई। इससे यात्रियों ने ज़ोरदार विरोध प्रदर्शन किया। यात्री बस स्टेशन के नियंत्रण कार्यालय के बाहर जमा हो गए। उन्होंने अपनी नाराज़गी ज़ाहिर की और तीन बसें तुरंत लगाने की माँग को लेकर हंगामा किया। नियंत्रण कार्यालय ने युवाओं को समझाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि "एक और बस लगाई जाएगी" और इस तरह विरोध प्रदर्शन को शांत करने की कोशिश की। चूँकि ऐसी स्थिति बार-बार हो रही है, इसलिए प्रशासन को व्यवस्था में तुरंत सुधार करने की ज़रूरत है। नियमित रूप से आने-जाने वाले यात्रियों के लिए यह समस्या गंभीर होती जा रही है। बस सेवा की अनियमितता के कारण कई लोगों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है।

धरमपुर में महिला रोजगार मेले में 113 अभ्यर्थियों का प्रारंभिक चयन

डेयर टू शेयर - धरमपुर

धरमपुर में जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी कार्यालय और जिला रोजगार कार्यालय द्वारा आयोजित महिला रोजगार मेले में उपस्थित 436 लाभार्थियों में से 113 लाभार्थियों का विभिन्न कंपनियों में प्राथमिक आधार पर चयन किया गया। वलसाड जिले में 1 से 8 अगस्त तक नारी वंदना उत्सव सप्ताह मनाया जा रहा है। इसके अंतर्गत वलसाड जी. भाजपा अध्यक्ष हेमंतभाई कंसारा, धरमपुर विधायक अरविंदभाई पटेल, वलसाड

जी.पी. अध्यक्ष मनहरभाई पटेल, धरमपुर शहर भाजपा अध्यक्ष अमित चोरेरा, धरमपुर नगरपालिका अध्यक्ष मयंक कुमार मोदी, गणेश बिरारी, लोक मंगलम चैरिटेबल ट्रस्ट खोबाना नीलांभाई पटेल, महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्वेता देसाई, जिला रोजगार अधिकारी पारुल पटेल, कमलेश गिरासे, सखी वन स्टॉप सेंटर के कर्मचारी, पीबीएससी कर्मचारी, डीएचईडब्ल्यू कर्मचारी, डब्ल्यूसीओ कर्मचारी, साथ ही विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। इस मेले में उपस्थित मुख्य अतिथियों ने महिला एवं बाल विकास विभाग की वहाली डिकारी योजना के तीन स्वीकृति आदेश, गंगा स्वरूपा आर्थिक सहायता योजना का एक आदेश, गंगा स्वरूपा पून लग्न योजना का एक आदेश वितरित किया।

सुरक्षा के नाम पर मज़ाक: अफसरशाही की मिलीभगत से फायर सुरक्षा ठप!

डेयर टू शेयर - वापी

शासन-प्रशासन की नाक के नीचे आग से बचाव के नियम सिर्फ कागज़ों तक सीमित हैं। रेजिडेंस हो या कमर्शियल बिल्डिंग, नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं और फायर डिपार्टमेंट पूरी तरह मौन बना बैठा है। AC कमरों में बैठने वाले फायर अधिकारी शायद भूल गए हैं कि उनकी ड्यूटी सिर्फ फाइलों में एनओसी जारी करना नहीं, बल्कि ज़मीन पर जाकर फायर सेफ्टी का वास्तविक निरीक्षण करना भी है। नतीजा? आम जनता को हर समय अग्निकांड के खतरे में जीना पड़ता है।

इसी दिन वापी स्टेशन रोड स्थित गीतानगर क्षेत्र में भी *अचानक आग लगने की दूसरी बड़ी घटना* सामने आई। *DS होटल* के पास खुले में रखे *गद्दों में आग भड़क उठी, जो पलभर में पास की *'भोलेनाथ काठियावाड़ी होटल'** तक फैल गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आस-पास के लोग दहशत में आ गए। सूचना मिलते ही *GIDC फायर ब्रिगेड की टीम* मौके पर पहुंची और तुरंत आग बुझाने का काम शुरू किया। प्रारंभिक जांच में *शॉर्ट सर्किट* को ही दोनों घटनाओं का संभावित कारण माना जा रहा है।

फायर डिपार्टमेंट बना 'कागजी खानापूर्ति विभाग'

बिल्डिंग परमिशन से पहले फायर एनओसी जरूरी है, लेकिन ज़्यादातर बिल्डर्स कुछ पैसों में नियम ताक पर रख देते हैं।

1. हाईराइज़ रेजिडेंस और कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में बुनियादी फायर सेफ्टी संसाधन तक नहीं।
2. विभागीय जांच महज औपचारिकता होती है, हकीकत में निरीक्षण नहीं।
3. एनओसी बेचने का खेल चल रहा है अफसरों की शह पर।

जरूरी है: नियमों का सख्त पालन

हर भवन स्वामी की जिम्मेदारी है कि वह फायर सेफ्टी के पूरे संसाधन सुनिश्चित करे। फायर विभाग को चाहिए कि वह कागज़ों की खानापूर्ति बंद कर, ग्राउंड पर जाकर सख्ती से निरीक्षण करे और गैर-अनुमोदित भवनों को सील करे।

आंकड़ा झठ नहीं बोलते:

वापी, दमण, सिलवीसा, वलसाड और आसपास के क्षेत्र में लगभग 80% रेस्टोरेंट, होटल, टी स्टॉल, हाईराइज बिल्डिंग में फायर सेफ्टी सिस्टम या तो है ही नहीं, या पूरी तरह बेकार पड़ा है।

जनता की जान से खिलवाड़: अफसरों की शह पर सिस्टम फेल

जिन प्रतिष्ठानों में रोज़ हजारों लोग आते-जाते हैं, वहीं पर फायर सुरक्षा को लेकर घोर लापरवाही। हाईराइज़ रेजिडेंस में रहने वाले परिवारों की सुरक्षा रामभरोसे। बिल्डर, होटल मालिक और अफसर – सभी की मिलीभगत से जनता की जान जोखिम में।

निष्कर्ष

वापी में एक ही दिन में दो स्थानों पर आग लगने की घटनाएं प्रशासन और औद्योगिक इकाइयों के लिए *सावधानी का गंभीर संदेश* हैं। जहां फार्मा कंपनी जैसी संवेदनशील जगहों पर सुरक्षा के उच्चतम मानकों की आवश्यकता है, वहीं घनी आबादी वाले इलाकों में भी *फायर सेफ्टी के पुख्ता इंतज़ाम* जरूरी हैं।

समाप्ति नहीं चेतावनी:

अगर शासन और प्रशासन अब भी नहीं जागे, तो अगला अग्निकांड और भी भयावह होगा।
वापी की दो जगहों पर भीषण आग की घटनाएं: फार्मा कंपनी में ब्लास्ट से 5 श्रमिक झुलसे, स्टेशन रोड पर गद्दों में भी लगी आग**

वापी की फार्मा कंपनी में ब्लास्ट से 5 श्रमिक झुलसे

वापी, वलसाड जिला।* वलसाड जिले के वापी GIDC क्षेत्र में शनिवार को एक फार्मा कंपनी में हुए धमाके और उसके बाद फैली आग से हड़कंप मच गया। वापी GIDC स्थित *'वापी केयर फार्मा प्राइवेट लिमिटेड'* में अचानक आग लग गई, जिसके बाद हुए जोरदार विस्फोट में *5 श्रमिक झुलस गए*। सभी घायल श्रमिकों को तुरंत पास

के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, कंपनी में एक वेसल (बर्तन) में दवा निर्माण का कार्य चल रहा था, तभी *शॉर्ट सर्किट* के चलते आग लग गई। आग लगते ही वेसल्स में गैस जमा

हो गई और धमाका हो गया, जिससे श्रमिक गंभीर रूप से झुलस गए। घटना की सूचना मिलते ही *वापी फायर ब्रिगेड की 5 टीमें* और *108 की इमरजेंसी सेवाएं* मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। फिलहाल आग लगने का स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। *वलसाड FSL (फॉरेंसिक टीम)* को बुलाया गया है, जो आग के असली कारणों की जांच करेगी।

जिले में खाद की भारी मांग, धान किसान 1 किमी लंबी लाइन में खड़े होने को मजबूर

डेयर टू शेयर - वलसाड

वलसाड जिले में, जब मानसून के दौरान धान की फसल पूरे जोरों पर होती है, फसल सुरक्षा और उचित उत्पादन के लिए यूरिया और अन्य उर्वरकों की कमी के बाद, अब उर्वरक की उपलब्धता ने लोगों को हैरान कर दिया है। उर्वरक की मांग का केवल 30 प्रतिशत ही प्राप्त होने से किसान काफी नाराज हैं। किसानों को उर्वरक प्राप्त करने के लिए धरमपुर के एग्रो सेंटर पर घंटों सड़क पर बहुत लंबी कतार में खड़ा होना पड़ा। जिसमें किसानों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। एक हफ्ते पहले, वलसाड जिले में जिला कांग्रेस ने धान की फसलों सहित अन्य उत्पादों की खेती के लिए यूरिया उर्वरक की भारी कमी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और कलेक्टर पर हमला किया। अब, जब जिले में उर्वरक की मात्रा मांग से बहुत कम है, तो किसान भारी हड़बड़ी में हैं और अपनी फसलों को बचाने के लिए उर्वरक प्राप्त करने के लिए पंजीकरण करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। किसानों द्वारा की गई शिकायतों के अनुसार, उर्वरक अभी भी आवश्यकता के अनुसार उपलब्ध नहीं है। एक किसान को अपने खेत के लिए 25 बैग उर्वरक की आवश्यकता होती है, लेकिन वर्तमान में किसानों को केवल 1 बैग मिल रहा है। किसान मांग कर रहे हैं कि जल्द से जल्द पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराया जाए। इसलिए प्रशासन को इस समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करने की आवश्यकता है।

सरपंच के पति ने बिना अनुमति के 25 साल पुराने पेड़ काटकर बेचे, डीडीओ, वन विभाग को दिया लिखित प्रतिवेदन

डेयर टू शेयर - वलसाड

वलसाड तालुका के धमदाची गाँव में सरकारी पेड़ों को काटने का एक गंभीर मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत की सरपंच अनिशाबेन के पति नीलेशकुमार पटेल ने बिना किसी अनुमति के मुख्य सड़क पर लगे पेड़ों को काट दिया। स्थानीय नेता छोटूभाई पटेल को पता चला कि गाँव की मुख्य सड़क के दोनों ओर लगे 25 साल से ज़्यादा पुराने गुलमहोर, रेनट्री और गरमालो जैसे पेड़ काट दिए गए हैं। ये पेड़ वलसाड ज़िला पंचायत के कब्ज़े में थे। जांच में पता चला कि ग्राम पंचायत के अधिकारियों और तलाटी सह मंत्री ने किसी भी सदस्य को विश्वास में लिए बिना इन पेड़ों को काट दिया। उन्होंने तालुका पंचायत, ज़िला पंचायत, ममलतदार (ग्रामीण), सामाजिक वानिकी विभाग या वन विभाग के अधिकारियों से भी अनुमति नहीं ली थी। इसके अलावा, लकड़ी बिना किसी नीलामी प्रक्रिया के बेच दी गई। इन पेड़ों की अनुमानित कीमत लाखों रुपये में बताई जा रही है। ज्ञापन में कहा गया है कि धमदाची की महिला सरपंच अनिशाबेन पटेल के नाम पर होने के बावजूद, ग्राम पंचायत का पूरा प्रशासन उनके पति नीलेश बी. पटेल द्वारा चलाया जाता है। आरोप है कि उन्होंने सरकारी खजाने को नुकसान पहुँचाकर वित्तीय लाभ प्राप्त करने के लिए यह कृत्य किया। इस मामले में डीडीओ, वन विभाग, तालुका पंचायत सहित संबंधित विभागों को लिखित ज्ञापन दिया गया है। ज्ञापन में निष्पक्ष जाँच की माँग की गई है। साथ ही, लकड़ी की राशि वसूल कर सरकारी खाते में जमा करने और ग्राम पंचायत अधिनियम-1993 के तहत जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने की माँग की गई है।

सम्पूर्ण आदिवासी समुदाय दिव्यांगों के लिए मकान आवंटन की मांग करता है।

डेयर टू शेयर - वलसाड

कानभाई गाँव के देसाई फलिया में रहने वाले 40 वर्षीय दिव्यांग जसवंत पटेल और उनकी वृद्ध विधवा माँ, जिनकी हालत बहुत दयनीय है। दोनों ही मुश्किल से चल-फिर पाते हैं और जैसे-तैसे अपना खाना खुद बनाते हैं और आसपास के लोगों से थोड़ी मदद भी लेते हैं। समस्त आदिवासी समाज ने उनके लिए घर आवंटित करने हेतु टीडी को एक ज्ञापन दिया है। ग्रामीणों ने समस्त आदिवासी समाज के नवसारी जिला अध्यक्ष डॉ. नीरव भूलाभाई पटेल को इस मामले की जानकारी दी और प्रशासन से मदद की अपील करने को कहा। वे अपनी टीम के सदस्यों विजय कटारकर, दलपत पटेल, भावेश, कुंदन, कार्तिक, मयूर आदि के साथ देर शाम परिवार से मिलने गए। जय गाँव के नेता कानभाई सरपंच छत्रपाल पटेल, सातडिया सरपंच दीपक पटेल, उप सरपंच सागरभाई, पूर्व सरपंच जीतूभाई, कनय्याभाई चुन्नीलाल, प्रदीपभाई आदि उपस्थित थे। उन्होंने तुरंत नवसारी जिला कलेक्टर, चिखली मामलतदार और तालुका विकास अधिकारी को ईमेल किया और घर बनाने के लिए सहायता की मांग की। इस संबंध में, डॉ नीरव पटेल ने कहा कि रात के अंधेरे में परिवार का दौरा करते समय तथ्य का पता चला। स्थिति ऐसी है कि घर में प्रवेश करने के लिए झुकना पड़ता है और बारिश और मकड़ी के जाले के कारण जमीन कीचड़ और चिपचिपा है और हर जगह बाथरूम और शौचालय की कमी के कारण, माँ और बेटे दोनों मुश्किल से काम करके और खाना बनाकर गुजारा करते हैं। और क्या उम्मीद की जा सकती है। साइट के दौरे के दौरान, मददगार पड़ोसियों ने हमसे अनुरोध किया कि हम डॉक्टर से मेरी माँ (दादी) और इस भाई के लिए सरकारी सहायता से एक अलग बाथरूम के साथ एक घर बनाने का अनुरोध करें क्योंकि इस परिवार का दुख असहनीय है।

वापी में छारवाड़ा ब्रिज के पास बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई

डेयर टू शेयर - वापी

वलसाड जिले के वापी में छारवाड़ा ब्रिज के पास एक हादसा सामने आया है। वापी से वलसाड जा रही बाइक संख्या GJ-15-ED-7257 अचानक फिसल गई। हादसा उस समय हुआ जब बाइक चालक ने किसी कारणवश ब्रेक लगा दिए। बाइक फिसलने से बाइक सवार दो लोगों में से चालक की मौके पर ही मौत हो गई। बाइक चला रहा दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल व्यक्ति को तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और वापी टाउन पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस घायल व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल ले गई। वापी टाउन पुलिस की टीम ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस हादसे की आगे की जांच कर रही है।

वलसाड कांग्रेस ने मुख्य अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर समाधान की मांग की

डेयर टू शेयर - वलसाड

वलसाड जिला कांग्रेस ने नगरपालिका मछली बाजार में फैली गंदगी के मुद्दे को लेकर मुख्य अधिकारी को ज्ञापन भेजा है। कांग्रेस ने शहर में बढ़ती गंदगी का तुरंत समाधान करने की मांग की है। ज्ञापन में कांग्रेस ने धमकी दी है कि अगर समस्या का समाधान नहीं हुआ तो गांधी चिंध्या की तर्ज पर आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन में मछली बेचकर जीविकोपार्जन करने वाली महिलाओं में महामारी फैलने का मुद्दा भी उठाया गया है। कांग्रेस नेताओं द्वारा इस समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करने के साथ ही नगरपालिका की राजनीति गरमा गई है। स्थानीय व्यापारी और नागरिक भी लंबे समय से इस समस्या से परेशान हैं। नगरपालिका अधिकारियों ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। हालांकि, कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि अगर जल्द ही हालात नहीं सुधरे तो आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा।

वापी डूंगरा में निजी भूस्वामी द्वारा सड़क अवरुद्ध करने से 50 से अधिक छात्र शिक्षा से वंचित

डेयर टू शेयर - वापी

वापी के डुंगरा में हरिया पार्क से दमनगंगा खाड़ी जाने वाली सड़क पर स्थित कंबीवाड़ के अपाजी फलिया में 22 से ज़्यादा परिवार रहते हैं। इनमें से 20 घर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लोगों को दिए जा चुके हैं। फ़िलहाल, फलिया के 50 से ज़्यादा बच्चे आधा किलोमीटर दूर एक सरकारी स्कूल में पढ़ने जाते हैं। लेकिन कुछ समय पहले, फलिया के बाहर एक निजी मालिक ने स्थानीय लोगों को अपनी ज़मीन पर आने-जाने से मना कर दिया है। अगर कोई उनकी ज़मीन पर कीचड़ वाली जगह पर मिट्टी या रेत खोदता है, तो वह उनके ख़िलाफ़ कार्रवाई करते हैं, और फलिया के लोगों की हालत दयनीय हो गई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, वे अपने पूर्वजों के ज़माने से इसी रास्ते से मुख्य सड़क पर आते-जाते थे और सालों से इसी रास्ते का इस्तेमाल करते आ रहे थे। लेकिन अचानक मालिक ने रास्ता बंद कर दिया। फलिया से बाहर जाने के लिए हमारे पास इस रास्ते के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं है। जब भी हम इस रास्ते से गुज़रते हैं, तो हमें आपराधिक मामला दर्ज कराने की धमकी दी जाती है। हमारा घर भी पहले मुख्य सड़क के पास ही था। लेकिन कुछ समय पहले, एक निजी ज़मीन के मालिक

ने हमें अपने घर के पीछे जगह दी और अब हम सब यहीं बस गए हैं। वर्षों से इस फलिया के लोग नगर पालिका को टैक्स भी देते आ रहे हैं। लेकिन जब वे सड़क की शिकायत करने जाते हैं, तो वे जवाब देने या मदद करने को तैयार नहीं होते। जब बच्चे इस सड़क से स्कूल जाते हैं, तो निजी मालिक उन्हें आते-जाते धमकाता भी है। वापी के पास डुंगरा गाँव को लगभग दस साल पहले नगर पालिका में शामिल किया गया था और अब यह वापी नगर निगम का हिस्सा है। हालाँकि, चाला को छोड़कर, वापी नगर पालिका में शामिल गाँव का अन्य गाँवों जितना विकास नहीं हुआ है। डुंगरा के नगर निगम क्षेत्र में आने के बावजूद, कंबीवाड़ के अपाजी फलिया में रहने वाले 22 से ज़्यादा परिवार नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं। एक स्थानीय निवासी ने तो यहाँ तक बताया कि जब वह नगर निगम के एक अधिकारी के सामने समस्या रखने गया, तो अधिकारी ने कहा, तुम्हें यहाँ रहने के लिए किसने कहा है, यह जगह छोड़ दो और कहीं और चले जाओ।

धूमधाम के साथ मनाया गया दादरा नगर हवेली का 72वां मुक्ति दिवस

डेयर टू शेयर - सिलवासा

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली का 72वां मुक्ति दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया, इस अवसर पर सिलवासा कलेक्ट्रेट कार्यालय पर मुख्य समारोह का आयोजन हुआ, जहां सांसद कलाबेन डेलकर की उपस्थिति में जिला समाहर्ता प्रियांक किशोर के हाथों से ध्वजारोहण हुआ। इस अवसर पर पुलिस के जवानों ने बैंड पर परेड करते हुए मार्च पास्ट किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि, जिला समाहर्ता ने सभी प्रदेशवासियों को मुक्ति दिवस की बधाई देते हुए मुक्ति के सपूतों को नमन किया। उन्होंने कहा कि दादरा नगर हवेली निरंतर विकास की प्रगति पर अग्रसर हो रहा है, स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, बिजली, पानी, पर्यटन हर क्षेत्र पर प्रशासन ध्यान दे रहा है। भारत सरकार की योजनाएं घर-घर तक पहुंचाई जा रही हैं। आने वाले दिनों में दादरा नगर हवेली इसी तरह आगे बढ़ता जाएगा। इस कार्यक्रम में जिला समाहर्ता प्रियांक किशोर, सांसद कलाबेन डेलकर, IPS श्री रामकृष्ण सरण, जिला पंचायत अध्यक्ष राम जी भाई कुराड़ा, नगर पालिका अध्यक्ष रजनी शेट्टी सहित प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, उद्योगपति एवं नागरिक उपस्थित रहे। इसके अलावा जिला पंचायत, नगर पालिका, पुलिस मुख्यालय, सिलवासा थाना, लायंस स्कूल सहित सभी पंचायत, औद्योगिक इकाइयों एवं सार्वजनिक जगह पर भी तिरंगा फहराया गया।

संघ प्रदेश दानह एवं दमन दीव में खेलों को मिल रहा भारी प्रोत्साहन

दमन में जिला स्तरीय टेबल टेनिस गर्ल्स इंटर स्कूल प्रतियोगिता में लड़कियों ने दिखाए जौहर

डेयर टू शेयर - दमण

संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली तथा दमण एवं दीव प्रशासन के युवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग दमण के द्वारा जिला स्तरीय स्पर्धा में सहभाग में चयन हेतु माननीय प्रशासक श्री प्रफुल पटेलजी के कुशल नेतृत्व, युवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग के सचिव डॉ. अरुण टी. के मार्गदर्शन में और युवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग के निदेशक श्री अरुण गुप्ता के सहयोग से दमन मे जिला स्तरीय इन्टर स्कूल प्रतियोगिता का 01 अगस्त से 12 सितंबर 2025 तक आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता मे ताइक्वांडो, टेबल टेनिस, चेस, बॉक्सिंग, योगासन, बैडमिंटन, कराटे एवं कैरम का आयोजन किया जा रहा हैं। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य, छात्रों में खेलों के प्रति रुचि जागृत करना, उनकी प्रतिभा को निखारना, शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास को प्रोत्साहित करना तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन सुनिश्चित करना है। इसी संदर्भ मे दिनांक 05 अगस्त 2025 को टेबल टेनिस (अन्डर 14, 17 एवं 19 गर्ल्स) का आयोजन किया गया। दमन जिला टेबल टेनिस (अन्डर 14, 17 एवं 19 गर्ल्स) इन्टर स्कूल प्रतियोगिता के परिणाम निम्नलिखित अनुसार: अन्डर 14 गर्ल्स मे प्रथम स्थान : पटेल आरोही अरविंद, इंस्टिट्यूट ऑफ लेडी ऑफ फातिमा द्वितीय स्थान : मेरिका विशालकुमार पटेल, कोस्ट गार्ड पब्लिक स्कूल तृतीय स्थान : कायरा पाटील, शेमफॉर्ड स्कूल अन्डर 17 गर्ल्स मे प्रथम स्थान : रिया राजेश यादव, दिव्य ज्योति स्कूल द्वितीय स्थान: सलोनी ब्रह्मानन्द यादव, दिव्य ज्योति स्कूल तृतीय स्थान : कृषमा सुभाषचंद्र पटेल, इंस्टिट्यूट ऑफ लेडी ऑफ फातिमा अन्डर 19 गर्ल्स मे प्रथम स्थान : मोना विकाश सिंह, दिव्य ज्योति स्कूल द्वितीय स्थान : उम्मेहनी, इंस्टिट्यूट ऑफ लेडी ऑफ फातिमा तृतीय स्थान : पटेल जेन्सी शैलेशभाई, इंस्टिट्यूट ऑफ लेडी ऑफ फातिमा दमन जिला टेबल टेनिस इन्टर स्कूल प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए विभाग के अधिकारी देवराज सिंह राठोड़, टेबल टेनिस कोच सतीश गज्जर, शारीरिक शिक्षक रंजीत पटेल एवं विभिन्न विद्यालयों के शारीरिक शिक्षा शिक्षक अपना योगदान दिया।

लायंस इंग्लिश स्कूल में नेतृत्व का गौरवपूर्ण आरंभ: छात्र परिषद ने संभाला दायित्व

नेतृत्व केवल सम्मान नहीं, उत्तरदायित्व भी है" — चेयरमैन फतेहसिंहजी चौहान

डेयर टू शेयर - सिलवासा

लायंस क्लब ऑफ सिलवासा चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित लायंस इंग्लिश स्कूल में छात्र परिषद 2025-26 के अलंकरण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। यह समारोह न केवल छात्रों के लिए, बल्कि उनके अभिभावकों के लिए भी एक गौरवपूर्ण अवसर था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ, जिसमें ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री फतेहसिंहजी चौहान, उपाध्यक्ष श्री अनंतरावजी डी. निकम, सचिव श्री कुलदीप सिंह मुंद्रा, अन्य पदाधिकारीगण और विद्यालय व कॉलेजों के प्राचार्यगण उपस्थित रहे। मुख्य छात्र हर्षवर्धन रघुवंशी और मुख्य छात्रा राजलक्ष्मी श्रीवास्तव को श्री फतेहसिंहजी चौहान द्वारा शपथ दिलाई गई। इसके बाद श्री अनंतरावजी डी. निकम ने छात्र परिषद के अन्य सदस्यों को मन, कर्म और वचन से कर्तव्य पालन की शपथ दिलाई। चेयरमैन श्री फतेहसिंहजी चौहान ने "जय हिंद" के साथ अपने प्रेरणादायक संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि "शपथ के हर शब्द का अर्थ समझें और उसे जीवन में उतारें।" उन्होंने विद्यालय में लोकतांत्रिक एवं पारदर्शी प्रक्रिया की सराहना की और कहा कि ये छात्र दो वर्षों में राष्ट्र के जिम्मेदार नागरिक बनेंगे। साथ ही उन्होंने दादरा नगर हवेली के इतिहास व अपनी राजनीतिक यात्रा का संक्षिप्त वर्णन कर छात्रों को प्रेरित किया। प्रधानाचार्या श्रीमती निराली पारेख ने कहा कि "नेतृत्व का अर्थ है — सभी को साथ लेकर चलना और सामूहिक उत्कर्ष हेतु कार्य करना।" समारोह के अंत में उप-प्रधानाचार्या श्रीमती पारुल गुप्ता ने सभी गणमान्य अतिथियों, शिक्षकों, अभिभावकों एवं छात्रों का धन्यवाद करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, और यह आयोजन नैतिक मूल्यों, उत्तरदायित्व और नेतृत्व की भावना से ओतप्रोत रहा।

अनंतरावजी निकम ने विद्यार्थियों को दिलाई संकल्प की शपथ, बोले – 'कर्तव्य ही असली पहचान है'

एनएसएस इकाई गलोंडा द्वारा पुलिस थाने का शैक्षिक भ्रमण

डेयर टू शेयर - सिलवासा

राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गलोंडा में संचालित एनएसएस इकाई द्वारा विद्यार्थियों के लिए पुलिस थाने का शैक्षिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, कार्यक्रम अधिकारी श्री भूपेंद्र जी. पटेल, शिक्षिकाएँ श्रीमती दक्षाबेन व वंदनाबेन तथा विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक विजयभाई पटेल सहित कुल 50 विद्यार्थियों ने विद्यार्थियों के मार्गदर्शन में स्थानीय सायली पुलिस थाने का भ्रमण किया। विद्यार्थियों को पुलिस थाने की कार्यप्रणाली, शिकायत प्रक्रिया, पुलिस के दैनिक कार्यों, कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उपायों और पुलिस व जनता के बीच संबंधों के बारे में जानकारी दी गई। थाना प्रभारी जय बी. पटेल और अधिकारियों ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर संवादात्मक ढंग से दिए। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में कानून-व्यवस्था की समझ और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। भ्रमण के अंत में, एनएसएस टीम ने पुलिस अधिकारियों का आभार व्यक्त किया। यह शैक्षिक यात्रा छात्र के समग्र विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : संध्या चौहान द्वारा 15, 78, सी-6-2, खारीवाड़ नानी दमण (दमण-दीव) से प्रकाशित तथा ताप्तीलोक पब्लिकेशन, 152-153, श्री राम इंडस्ट्रीयल इस्टेट, मोजे भेडवार, पांडेसरा, सूरत से मुद्रित।
संपादक : मनोज रावल, मोबाईल नं. 8000360011 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी।) किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दमण होगा।